अलग राज्य होने से होगा तेजी से विकास-सर्वे

अन्तर्राष्ट्यी महोसत्व का रंगारंग आगाज, देशविदेश से जुटी ख्यातनाम हस्तियां

आबू रोड, 4 अक्टूबर, निस। ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्यी महासम्मेलन एवं सांस्कृतिक महोत्सव का अन्तर्राष्ट्यी कलाकारों की प्रस्तुतियों के बीच आगाज हो गया। ईश्वरीय ज्ञान द्वारा आन्तरिक शांति द्वारा वैश्विक सदभावना विषय पर तीन दिन तक चलने वाले इस महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आये भारत सरकार के सड़क, यातायात एवं परिवहन केन्द्रिय राज्यमंत्री सत्यनारायण सर्वे ने कहा कि तेलांगना अलग राज्य बनने से तेजी से विकास होगा। ऐसे विकास की जरूरत है जिसमें मनुष्य का सर्वागिण विकास हो। मानवीय क्राइम को हम आध्यात्मिकता के माध्यम से ही दूर कर सकते हैं। मनुष्य के विकास को रोकने में अहंकार महत्वपूर्ण कारण है। इसे प्रत्येक व्यक्ति को दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

आगे उन्होंने कहा कि नकारात्मकता के कारण हमारे आस-पास का वातावरण नकारात्मक हो जाता है। इसे सकारात्मक और मूल्यनिष्ठता से ही मिटाया जा सकता है। मानव का स्वभाव ही है शांति में रहना इसलिए वह शांति की चाहना रखता है। ब्रह्माकुमारीज संस्था इस दिशा में श्रेष्ठ प्रयास कर रही है।

कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री एच.के.पाटील ने कहा कि जीवन को सुखमय व सौहार्दपूर्ण बनाए रखने के लिए वैल्यूज की आवश्यकता होती है और यह वैल्यूज हमें आध्यात्मिकता सीखाती है। ब्रह्मा बाबा ने हमें सच्ची आध्यात्मिकता की शिक्षा दी है। भगवान किसी एक धर्म का और मानव के बंधनों में बंधा नहीं होता है। आज ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दिया जाने वाला संदेश मजहब और धर्म की दीवार को नहीं देखता है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि आध्यात्मिकता हमें हर संस्कृति, मजहब और भाषा की दीवारों से ऊपर उठाती है। ब्रह्माकुमारीज़ मानवीय मूल्यों को जीवन में धारण करने की शिक्षा देती है जिससे जिन्दगी में महत्वपूर्ण बदलाव होते हैं। संस्था का कोई भी सदस्य हो वह लोगों के अन्दर सदभावना का बीज बोता है।

संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव बीके रमेश, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन बीके शशि ने किया।

सभी देशों के प्रतिनिधियों ने लहाराया ध्वज- महासम्मेलन के शुभारम्भ के पूर्व शांतिवन परिसर में कई देशों के ठळ्द्वह्टट्टह्लिह्निश्रूदृ ने ध्वजी फहराकर कार्यक्रम में आये आगन्तुकों की आगवानी की। इस दौरान केन्द्रिय मंत्री समेत कई लोग उपस्थित थे।

ये रहा आकर्षण का केन्द्र-पांच देशों ताईवान, सिंगापुर, मलेशिया, जापान तथा रसिया के अन्तर्राष्ट्यी ख्यातिनाम कलाकारों ने पारम्परिक परिधानों में बैंड बाजों की प्रस्तुतिया दी जो लोगों के आकर्षण का

केन्द्र रहा। सभी देशें के लोगों ने अपने अपने देशों का प्रतिनिधित्व किया। इस समूह में दस वर्ष से लेकर अस्सी वर्ष तक के कलाकार शामिल थे।

साठ वर्ष से आग में जल रहे थे तेलांगना के लोग

आबू रोड, 4 अक्टूबर, निस। केन्द्रिय मंत्री सत्यनारायण सर्वे ने कहा कि तेलांगना अलग अलग राज्य बनने से लोगों में खुशी की लहर है। यह साठ वर्ष का आंदोलन है जो अब जाकर पूरा हुआ है। कांगेस तथा सरकार का यह फैसला महत्वपूर्ण है। वे पत्रकारों से बात कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि सोनियां गांधी ने लोगों की आवाज सुनी और इस पर पहल की जो सराहनीय है। जनता हमेशा उनकी पूजा करेगी। विरोधियों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि ये वही लोग विरोध कर रहे है जो जनता के साथ धोखा कर रहे है। उनका ना तो जनता से कोई वास्ता है ना और राज्य के विकास से। ऐसे में जनता को उनके बहकावे में नहीं आना चाहिए। राहुल गांधी के अध्यादेश वापस लेने और तेंलांगना राज्य का फैसला वापस लेने का एक दूसरे से कोई सम्बन्ध ही नहीं है।

फोटो, 4एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4, 5, 6 कार्यक्रम का उद्घाटन करेते अतिथि, विदेशों से आये कलाकार पारम्परिक परिधानों में प्रस्तुतियां देते हुए। सभा में उपस्थित लोग। पासपोर्ट साईज फोटो केन्द्रिय मंत्री सत्यनारायण सर्वे